मथुरा में मध्यरात्रि जन्मोत्सव से महाराष्ट्र की दही-हांडी तक

कृष्ण एक-देश एक, जन्मोत्सव के रंग अनेक

भोपाल, 3 सितंबर (दृष्टि शर्मा). कृष्ण जन्माष्टमी आते ही देश का रंग बदलने लगता है. कहीं मंदिर फूलों और रोशनी से सजने लगते हैं, कहीं झांकियों में गोकुल और नंद भवन बसने लगते हैं. आधी रात का इंतजार करते भक्त भजन-कीर्तन में जुटते हैं, तो महाराष्ट्र में गोविंदा पथक दही-हांडी के लिए मानव पिरामिड की तैयारी करते हैं. एक ही कृष्ण, लेकिन उन्हें मनाने का अंदाज हर जगह अलग है.

इस साल जन्माष्टमी 4 सितंबर को मनाई जाएगी. 5 सितंबर को नंदोत्सव और कई जगह दही-हांडी के आयोजन होंगे. मथुरा में जन्मभूमि केंद्रित मध्यरात्रि जन्मोत्सव और झांकियां सजेंगी. वृंदावन में श्रृंगार और रासलीला होगी. गोकुल में 5 सितंबर को बाल कृष्ण की लीलाएं होंगी.

मथुरा : जन्मोत्सव का केंद्र

श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में मध्यरात्रि के समय कृष्ण जन्मोत्सव मुख्य आकर्षण रहता है. मंदिरों में विशेष झांकियां, सजावट और पूजा की जाती है.

द्वारका : द्वारकाधीश का जन्मोत्सव

द्वारका नगरी में भगवान कृष्ण के द्वारकाधीश स्वरूप की विशेष पूजा और श्रृंगार होता है. मंदिर परिसर में जन्मोत्सव के दौरान भक्तों की विशेष भीड़ रहती है.

महाराष्ट्र : दही-हांडी का रोमांच

मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य शहरों में जन्माष्टमी का सबसे बड़ा आकर्षण दही-हांडी है. गोविंदा पथक ऊंचे मानव पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ते हैं.

उज्जैन : सांदीपनि आश्रम में उत्सव

सांदीपनि आश्रम में कृष्ण-बलराम और सुदामा के लिए नीले मखमली वस्त्र तैयार किए जा रहे हैं. सूरत, जयपुर से मंगाए मोती व रेशमी धागों से परिधान सजाए गए हैं.

छोटी छोटी कलाएं बनाती हैं बड़ी और सुंदर जिंदगी

कृष्ण की 16 कलाएं सिखाती हैं जीवन जीने की कला

बेहतर इंसान बेहतर समाज बेहतर भविष्य

अन्नमयी जीवन में पोषण और संतुलन जरूरी है	**प्राणमयी** ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करें	**मनोमयी** मन पर नियंत्रण रखें	**विज्ञानमयी** ज्ञान के साथ विवेक जरूरी है	**आनंदमयी** हर परिस्थिति में प्रसन्न रहना सीखें	**अतिशयिनी** अपनी क्षमताओं को लगातार निखारें	**विपरिणामिनी** समय के साथ खुद को बदलना सीखें	**संक्रामिणी** अच्छे विचार दूसरों तक पहुंचाएं
संकर्षिणी मुश्किलों से लड़कर आगे बढ़ें	**प्रभवी** नेतृत्व करें, अहंकार नहीं	**कुंठिनी** नकारात्मकता और बुरी इच्छाओं पर संयम रखें	**विकासिनी** हमेशा सीखते और आगे बढ़ते रहें	**मर्यादिनी** सफलता में भी मर्यादा न छोड़ें	**संहारिणी** अधर्म और गलत के खिलाफ खड़े हों	**सृजनात्मक** समस्याओं में भी नए समाधान खोजें	**सम्पूर्णता** ज्ञान, कर्म, प्रेम और संतुलन का मेल रखें

भारत-बेल्जियम और करीब आए

1 रक्षा और सुरक्षा सहयोग भारत-बेल्जियम संबंधों का प्रमुख स्तंभ : पीएम मोदी

2 मिलिट्री एक्सचेंज से ग्रीन एनर्जी तक बढ़ा भारत-बेल्जियम सहयोग

हैदराबाद, 3 सितम्बर. (एजेंसी). भारत और बेल्जियम ने रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच मिलिट्री एक्सचेंज और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करने पर सहमति जताई है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ वार्ता के बाद कहा कि रक्षा और सुरक्षा सहयोग भारत-बेल्जियम संबंधों का प्रमुख स्तंभ है और दोनों देश रणनीतिक क्षेत्रों में साझेदारी को नई ऊंचाई देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं.

नई दिल्ली में बार्ट डी वेवर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की सरकारों और रक्षा उद्योगों के बीच हुए समझौते रक्षा क्षेत्र में संयुक्त विकास और उत्पादन के नए अवसर पैदा करेंगे. भारत और बेल्जियम मिलिट्री एक्सचेंज तथा प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाने के लिए सहमत हुए हैं.

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और बेल्जियम अपनी-अपनी एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने और अपराध के खिलाफ सहयोग को भी और मजबूत करेंगे. उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल में दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को व्यापक और प्रभावी बनाना समय की जरूरत है. पीएम मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-बेल्जियम सहयोग का जिक्र करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक विकसित किया जा रहा है. नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को नई गति देगा.

> पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत और बेल्जियम के बीच साझेदारी ने उल्लेखनीय प्रगति की है. दोनों देशों का सहयोग पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों तक पहुंचा है.भारत-बेल्जियम संबंधों में आर्थिक, तकनीकी और औद्योगिक सहयोग की भी महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने जोरावर टैंक का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देश रक्षा तकनीक और उत्पादन के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं. इससे भविष्य में रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है.

पीएम मोदी से मिले बेल्जियम के प्रधानमंत्री वेवर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर से मुलाकात की. पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री वेवर का हैदराबाद हाउस में स्वागत किया. यहीं पर दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को लेकर वार्ता आयोजित की गई. भारत के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी. दो तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि पीएम मोदी ने बेल्जियम के समकक्ष बार्ट डी वेवर का हैदराबाद हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया. दोनों के बीच भारत-बेल्जियम साझेदारी को और सुदृढ़ करने के लिए अहम वार्ता आयोजित की गई है. प्रधानमंत्री वेवर ने नई दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने बापू के आदर्शों और शांति, अहिंसा व मानवीय गरिमा के उनके सदाबहार संदेशों को अपनाने का आह्वान किया. पीएम मोदी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री वेवर तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे हैं. पिछले साल फरवरी में पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है. बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकेन भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं.

हथनीकुंड हादसे में दोनों कमांडो के शव बरामद

यमुनानगर. हथनीकुंड बैराज पर ट्रेनिंग के दौरान नाव पलटने के बाद लापता हुए 1 पैरा के दूसरे कमांडो का शव गुरुवार को जींद में हांसी ब्रांच नहर के पास मिला है. शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पहुंचार पहुंची और पहचान की प्रक्रिया में जुट गई. एसडीएम छछरौली जसपाल गिल ने शव मिलने की पुष्टि की है. कमांडो का पार्थिव शरीर लेने के लिए चंडीगढ़ से हेलिकॉप्टर आने की जानकारी है. सेना की यूनिट पार्थिव शरीर को अपने साथ लेकर जाएगी.बैराज पर 1 पैरा के कमांडो ट्रेनिंग कर रहे थे. इसी दौरान मोटर बोट पलट गई. हादसे के बाद दो कमांडो लापता हो गए थे. जिन्हें दो दिन की तलाश में खोजा जा सका.

नेपाल आपदा में 576 भारतीय सुरक्षित

- रेस्क्यू टीम ने अब तक 1,252 शव बरामद किए
- त्रासदी के बाद 4,875 लोग अब भी लापता

काठमांडू, 3 सितम्बर. (एजेंसी). नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत का राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है. अब तक कुल 576 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, वहीं, कैलाश मानसरोवर यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र गए 410 भारतीय नागरिक चीन से रवाना हो गए.

इधर, आपदा के बाद अब तक 1,252 शव बरामद किए जा चुके हैं. वहीं 4,875 लोगों के लापता होने की जानकारी दर्ज की गई है. लापता लोगों में 601 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं. भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार राहत सामग्री की पांचवीं खेप नेपाल भेजी. भारतीय वायुसेना का एक विमान काठमांडू पहुंचा, जिसमें करीब 5.5 टन चिकित्सा सामग्री भेजी गई. इसमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक दवाएं, सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक दवाएं शामिल हैं. इसके साथ ही विमान में 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल और छह टन से अधिक आधुनिक रेस्क्यू उपकरण भी भेजे गए. भारत अब तक नेपाल को लगभग 74 टन राहत सामग्री उपलब्ध करा चुका है.

गडकरी बोले- सभी राज्यों में बाइक टैक्सी को मिले मंजूरी

- 8 करोड़ रोजगार का रास्ता खोल सकती है बाइक टैक्सी

नई दिल्ली, 3 सितंबर. केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी सेवा को मंजूरी देने की अपील की है. उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर के जरिये यात्रियों को परिवहन सुविधा देने से लोगों के लिए रोजगार और आय के नए साधन विकसित हो सकते हैं. खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में इसका फायदा मिलने की उम्मीद है. केंद्र सरकार बाइक टैक्सी की अनुमति दे चुकी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कई राज्यों में अभी इसे मंजूरी नहीं मिली है. उन्होंने राज्यों से इस सुविधा को स्वीकार करने का आग्रह किया. उनके अनुसार, बाइक टैक्सी के विस्तार से करीब 8 करोड़ रोजगार पैदा होने की संभावना है.

स्टालिन को हाईकोर्ट से झटका

- 100% वीवीपीएटी गिनती की याचिका खारिज

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई, 3 सितम्बर. तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन को कोलाथुर विधानसभा सीट से जुड़े चुनावी मामले में मद्रास हाईकोर्ट से झटका लगा है. अदालत ने गुरुवार को उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में 100 फीसदी वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती कराने की मांग की थी.

स्टालिन ने अपनी याचिका में चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए 14 ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों के सत्यापन में विसंगतियां मिलने का दावा किया था. उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में इस्तेमाल की गई सभी ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनोंके सत्यापन की मांग भी की थी.

एक नजर में

सीमा पर बांग्लादेश ने खोला ड्रोन स्कूल

सिलहट, 3 सितंबर. बांग्लादेश ने भारत से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक निगरानी और ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल के लिए एक नया प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया है. सिलहट स्थित बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश मुख्यालय में 'शिमंतो स्कूल ऑफ सर्विलांस एंड ड्रोन वॉरफेयर' का उद्घाटन बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने किया. इसका उद्देश्य सीमा सुरक्षा को मजबूत करना और तस्करी सहित गैरकानूनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाना है.

गुजराती संगीत के दिग्गज गौरांग व्यास का निधन

अहमदाबाद, 03 सितंबर. गुजराती संगीत के प्रसिद्ध संगीतकार और गायक गौरांग व्यास का अहमदाबाद में 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया. उनके निधन की खबर के बाद संगीत और फिल्म जगत में शोक की लहर है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक तस्वीर साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया. गौरांग व्यास प्रसिद्ध गुजराती संगीतकार अविनाश व्यास के बेटे थे. उन्होंने अपने पिता की संगीत परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गुजराती फिल्म और लोक संगीत में अपनी अलग पहचान बनाई.

सीबीआई जांच पर नहीं हुई सुनवाई

नई दिल्ली, 03 सितंबर. मनन कुमार मिश्रा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान युवा वकीलों के साथ कथित मारपीट की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने विचार करने से इनकार कर दिया. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ताओं को दिल्ली हाईकोर्ट जाने की अनुमति दी. याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण पेश हुए. उन्होंने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया से जुड़े कई अहम मामले पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, इसलिए याचिका सीधे शीर्ष अदालत में लाई गई.

मतदाता सूची की मजबूती में बीएलओ अहम : ज्ञानेश

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

पणजी, 3 सितम्बर. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बीएलओ को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का आधार स्तंभ बताया. उन्होंने कहा कि भारत में मतदाता सूची की तैयारी और चुनावों का संचालन भारत के संविधान, कानून और ईसीआई द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार ही किया जाता है.

ज्ञानेश कुमार ने गोवा में बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) से संवाद किया. राज्य के विभिन्न हिस्सों से आये 1000 से अधिक बीएलओ इस बातचीत में शामिल हुए. इस अवसर पर बीएलओ की भूमिकाओं को कोकणी में और बीएलए की भूमिकाओं को अंग्रेज़ी में समझाने वाले छोटे वीडियो भी जारी किए गए. इस दौरान, गोवा की समृद्ध परंपराओं और विरासत का जश्न मनाते हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया.अपने उद्घाटन भाषण में, सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बीएलओ भारत निर्वाचन आयोग और नागरिकों के बीच का पहला संपर्क बिंदु है. उन्होंने कहा कि गोवा के बीएलओ ने मतदाता सूची की तैयारी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब भी निभा रहे हैं.

नियुक्ति के साथ ही सीईओ ने संभाला काम

राम मंदिर ट्रस्ट की नई टीम की पहली बैठक में लिए कई निर्णय

नवभारत न्यूज़

लखनऊ, 3 सितम्बर. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में नई जिम्मेदारियां तय होने के बाद गुरुवार को नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक सम्पन्न हुई.

रामघाट स्थित कार्यशाला के श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र कार्यालय में हुई बैठक में ट्रस्ट की नई प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर मंथन किया गया. नवनियुक्त सीईओ ने कहा कि हमने आज बैठक में एक दूसरे से परिचय किया और कई मुद्दों पर चर्चा की. हम आगे कई और बैठकें करेंगे जिससे कि मैं यहां के काम को पूरी तरह समझ लूं फिर अपना कार्यभार ग्रहण करूंगा. उन्होंने कहा कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि मुझे प्रभु श्रीराम और रामभक्तों की सेवा करने का अवसर मिला है.

बैठक में राम मंदिर के नवनियुक्त सीईओ पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, महासचिव गोविंद देवगिरी, कोषाध्यक्ष महेश भागचंद, ट्रस्टी मदन मोहन पांडे सहित अकाउंटिंग व्यवस्था से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे.ट्रस्ट में पदाधिकारियों के बदलाव के बाद हुई यह पहली बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें मंदिर ट्रस्ट के कामकाज और वित्तीय व्यवस्था को लेकर आगे की कार्ययोजना पर चर्चा होने की बातें कही जा रही थीं. बैठक में सभी पदाधिकारियों का एक दूसरे से परिचय करने के बाद, लेखा-जोखा, अकाउंटिंग व्यवस्था और ट्रस्ट के प्रशासनिक कामकाज से जुड़े विषयों पर भी पदाधिकारियों को जानकारी दी गई. सरहरी राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों और व्यवस्थाओं की देखरेख करता है. ऐसे में सीईओ की भूमिका को प्रशासनिक और समन्वय से जुड़े कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

आज का इतिहास

1783 अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पेरिस की संधि के साथ क्रांतिकारी युद्ध समाप्त हो गया.

1833 अमेरिका में पहली सफल समाचार पत्र 'न्यूयार्क सन' बेंजामिन एच डे के द्वारा शुरू किया गया था.

1943 दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों ने इटली पर हमला किया.

1971 कतर स्वतंत्र राष्ट्र बना.

1984 दक्षिण फिलिपीन्स में आये एक भयानक तूफान की वजह से करीब 1300 मारे गए और सैकड़ों घायल हुए.

2003 पाकिस्तान सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने का निर्णय.

हस्तियों के ट्वीट

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने हाल ही में सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि ओडेसा में, एक अपार्टमेंट बिल्डिंग पर हुए ड्रोन हमले की जगह पर इमरजेंसी सर्विस का काम जारी है. 10वीं से 17वीं मंज़िल तक के अपार्टमेंट को नुकसान पहुँचा है, जिससे तीन बच्चों समेत 17 लोग घायल हो गए हैं. ओबुखिव और बोरिस्पिल ज़िलों में हमलों के बाद की स्थिति से निपटने की कोशिशें भी जारी हैं.

यूके प्रधान मंत्री एंडी बर्नहैम ने ने हाल ही में सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि मैंने कहा था कि मैं राजनीति अलग तरह से करूँगा. तो ये हैं असल बातें :2020 के बाद से यूके में गर्मियों के दौरान छोटी नावों से आने वाले लोगों की संख्या सबसे कम रही है.हमने 80,000 से ज़्यादा ऐसे लोगों को वापस भेजा है जिन्हें यहाँ रहने का कोई अधिकार नहीं था - और सालाना वापसी की संख्या 2016 के बाद से सबसे ज़्यादा है.पिछले साल के मुकाबले होटलों में शरण मांगने वालों की संख्या आधी हो गई है.

अनुसंधान अकादमिक कदाचार पर चीन का शिकंजा, बड़े वैज्ञानिक निशाने पर

शोध में गड़बड़ी पर जिनपिंग का सख्त कदम

बीजिंग, 3 सितम्बर(एजेंसी). चीन ने शैक्षणिक कदाचार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी सार्वजनिक कार्रवाई शुरू की है, जिसमें चार प्रमुख शिक्षाविदों को उनके पदों से हटना पड़ा है और विश्वविद्यालयों तथा अस्पतालों में काम करने वाले 40 से अधिक शोधकर्ता जांच के दायरे में हैं.

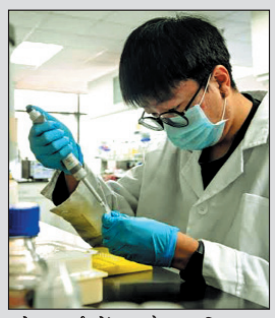

यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा वैज्ञानिक शोध में कदाचार से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने के आह्वान के बाद की गई है. 26 अगस्त को चीन के राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन ने विश्वविद्यालयों और अस्पतालों से जुड़े 40 से अधिक शोधकर्ताओं के खिलाफ शैक्षणिक कदाचार के 31 नए मामलों का विवरण जारी किया. हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने गुरुवार को यह जानकारी दी. यह घोषणा शी जिनपिंग द्वारा शैक्षणिक कदाचार पर कार्रवाई का आह्वान करने के लगभग दो महीने बाद की गई. प्रमुख विश्वविद्यालयों के चार वरिष्ठ शिक्षाविदों को उनके पदों से हटा दिया गया. इसके बाद यह कार्रवाई हुई जब जेंग नामक एक प्रसिद्ध ब्लॉगर और पीएचडी छोड़ चुके व्यक्ति ने अप्रैल में सार्वजनिक रूप से उनके नाम सामने रखे और उनके शोध में कदाचार के आरोप लगाए. इन चारों शिक्षाविदों को नेशनल साइंस फंड फॉर डिस्टिंग्विश्ड यंग स्कॉलर्स मिल चुका था, जिसे चीन की शीर्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग अकादमियों में प्रवेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है. इनमें से तीन अपने संस्थानों में डीन या एसोसिएट डीन के पद पर भी रह चुके थे.

> जेंग की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन ने शैक्षणिक कदाचार की अब तक की सबसे बड़ी जांच शुरू की. अगस्त में जारी नोटिस में फाउंडेशन ने चारों शिक्षाविदों के नाम सार्वजनिक किए, उनकी फंडिंग और उपाधियां रद्द कर दीं, उन्हें पहले मिले 1 करोड़ युआन से अधिक के अनुदान वापस करने का निर्देश दिया. चीन के शोध समुदाय में इस कदम को किसी शिक्षाविद के करियर के लिए 'मृत्युदंड' के समान माना जा रहा है. राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुरस्कारों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए शी जिनपिंग ने शोध में कदाचार से निपटने के लिए 'और सख्त मानकों' तथा 'अधिक ठोस उपायों' का आह्वान किया था.

ट्रम्प को कोर्ट का एक और झटका

बर्थ टूरिज्म मामले में आदेश पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, 3 सितंबर. अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कोशिश को एक बार फिर अदालत से झटका लगा है. मैरीलैंड की फेडरल कोर्ट ने ट्रम्प प्रशासन के 6 अगस्त के आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी.

इस आदेश के जरिए कुछ विशेष परिस्थितियों में अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को मिलने वाली नागरिकता रोकने का प्रावधान किया गया था. इसमें 'बर्थ टूरिज्म' यानी बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से अमेरिका आकर प्रसव कराने वाले मामलों को भी शामिल किया गया था. अदालत में प्रवासी अधिकार संगठनों ने ट्रम्प प्रशासन के फैसले को चुनौती दी थी. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि आदेश संविधान में दिए गए जन्मसिद्ध नागरिकता के अधिकार के खिलाफ हो सकता है.

> **शपथ लेते ही दिया था आदेश**
>
> ट्रम्प प्रशासन ने 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के कुछ घंटे बाद ही जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को सीमित करने वाला कार्यकारी आदेश जारी किया था. उस आदेश में ऐसे बच्चों को निशाना बनाया गया था, जिनके माता-पिता अमेरिकी नागरिक या स्थायी निवासी नहीं हैं. प्रवासी संगठनों और कई राज्यों ने इसे अदालत में चुनौती दी.